मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 36 ■ सोमवार, 14 अप्रैल 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
सर्जरी पर ट्रोल करने वालों को मौनी रॉय का जवाब

पांच वर्षों से चुनाव नहीं हुए, कब होंगे चुनाव?

पालिका चुनाव ना होने से हर कोई निराश

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ, बदलापुर नगर परिषद एवं उल्हासनगर महापालिका के चुनाव गत पांच वर्ष से नहीं हुए हैं. विधानसभा चुनाव के बाद पालिका चुनाव की संभावना थी, लेकिन ओबीसी आरक्षण का विषय न्यायालय में तारीख पर तारीख के हिसाब से नहीं हो पा रहा है. दो महिने बाद बारिश शुरू होने वाली है. बारिश में चुनाव मुमकिन ना होने के कारण चुनाव दिवाली में भी होंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता. इच्छुक उम्मीदवार भी अब निराश हो गए हैं. कोरोना के बाद राज्य में सत्ता संघर्ष के कारण पूरे राज्य के पालिका चुनाव 5 वर्ष से नहीं हो पा रहे हैं. प्रशासकीय राज शुरू है. शहर में विकास कार्य जिस तरह होना चाहिए उस तरह से नहीं हो पा रहे हैं. पानी के लिए लोग परेशान हैं. कोई हल नहीं निकाला जा रहा है. जनता भी चाहती है कि स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव हों. वर्ष भर पहले लोकसभा चुनाव से पूर्व महापालिका के चुनाव होंगे, ऐसा समझा जा रहा था. लोकसभा के बाद विधानसभा के चुनाव भी हो गए, लेकिन पालिका चुनाव अब तक नहीं हुए हैं. इच्छुक उम्मीदवार भी बेचैन हैं. पांच वर्ष पूर्व ही अगर चुनाव हो जाते तो आज एक कार्यकाल भी पूरा हो जाता. पांच वर्ष से चुनाव नहीं होने के कारण इच्छुक उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि हो गई है. हर कोई ये चाहता है कि जल्द से जल्द चुनाव हों.

ठाणे जिले के 4 स्टेशनों का होगा कायाकल्प

टिटवाला के लिए 25 करोड़ व शहाड स्टेशन के लिए 8 .4 करोड़ रुपए मिलेंगे

■ **दिवा स्टेशन के लिए 45 करोड़ व बेलापुर स्टेशन के लिए 32 करोड़ का प्रावधान**

ठाणे. भारतीय रेलवे की 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत महाराष्ट्र के कुल 132 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। इसमें ठाणे जिले के 4 महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल हैं और जिले के दिवा स्टेशन के पुनर्विकास के लिए कुल 45 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा, कसारा लाइन पर टिटवाला स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 25 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।

पिछले कुछ वर्षों में दिवा की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। दिवा रेलवे स्टेशन सबसे भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों में से एक है। इसी तरह कसारा मार्ग पर टिटवाला रेलवे स्टेशन से भी प्रतिदिन लाखों यात्री यात्रा करते हैं। भारतीय रेलवे की 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के कुल 132 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। इस योजना में ठाणे जिले के टिटवाला, शहाड, दिवा और बेलापुर सहित कुछ महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल हैं।

हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के जरिए देशभर के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी।

ठाणे जिले के चयनित स्टेशनों में से दिवा स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 45 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई जाएगी। टिटवाला स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 25 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। शहाड रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 8.4 करोड़ रुपये और नवी मुंबई में बेलापुर स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 32 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे।

ठाणे जिले में पुनर्विकास के लिए चयनित स्टेशनों के नाम और इसके लिए धनराशि इस प्रकार है :

* टिटवाला स्टेशन : 25 करोड़ रुपये
* शहाड स्टेशन : 8 .4 करोड़ रुपये
* दिवा स्टेशन : 45 करोड़ रुपये
* बेलापुर स्टेशन : 32 करोड़ रुपये

■ **इस योजना से क्या विकास होगा?**

इस योजना से स्टेशनों पर यात्रियों को वेटिंग लाउंज, फूड कोर्ट, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और डिजिटल सुविधाएं जैसी आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा तथा शहर के अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित की जाएगी।

लोकल दुर्घटना में युवक की मौत

■ **चलती लोकल पकड़ते समय नीचे गिरकर हुई मौत**

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पीक अवर के समय लोकल ट्रेन में जगह मिलने के लिए चलती लोकल पकड़ते समय एक युवक ने अपनी जान गंवा दी है. शुक्रवार की ये घटना है. अंबरनाथ से सुबह 7.51 की सीएसएमटी के लिए फास्ट लोकल रवाना होती है. ये लोकल अंबरनाथ के यार्ड से प्लेटफार्म नं. 3 पर आते समय रोहित यादव (32) चलती लोकल में चढ़ने लगा. लेकिन लोकल में वह चढ़ नहीं सका और फिसलकर प्लेटफार्म और लोकल के बीच में अटक गया. वह गंभीर रूप से घायल हो गया. कुछ दूर तक वह घिसटता चला गया. लोकल ट्रेन को रोककर आरपीएफ के जवानों ने बड़ी मुश्किल से उसे बाहर निकाला. रोहित का शरीर मोटा होने के कारण वह लोकल और प्लेटफार्म के बीच के भाग में बुरी तरह फंस गया था. उसे उल्हासनगर के मध्यवर्ती अस्पताल में उपचार हेतु दाखिल किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. रोहित पहले उल्हासनगर के लाल चौकी परिसर में रहता था.

कुछ ही दिनों पूर्व वह अंबरनाथ में रहने के लिए आया था. सुबह में रोजाना अंबरनाथ रेलवे स्टेशन पर ये देखने को मिलता है कि सीएसएमटी जाने वाली फास्ट लोकल पकड़ने के लिए चलती ट्रेन में मुसाफिर चढ़ते हैं और इस तरह प्लेटफार्म पर गिरकर मौत के मुंह में चले जाते हैं.

बलात्कार व हत्या का आरोपी विशाल गवली ने तलोजा जेल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कल्याण. कल्याण में नाबालिग लड़की के बलात्कार और हत्या मामले के आरोपी विशाल गवली ने तलोजा जेल में आत्महत्या कर ली है। उसने रविवार सुबह आत्महत्या कर ली और पिछले साढ़े तीन महीने से जेल में था। इस बीच, कल्याण में लोगों ने गवली की आत्महत्या पर खुशी जताई है, वहीं जेल प्रशासन पर सवाल भी उठ रहे हैं। विशाल गवली के वकील संजय धानके ने एक अलग संदेह व्यक्त किया है। वकीलों का आरोप है कि अक्षय शिंदे की तरह उसकी भी हत्या की है।

कल्याण के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में विशाल गवली ने एक नाबालिग लड़की को अपने घर बुलाकर उसका यौन शोषण किया था। इसके बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई और फिर उसके शव को एक बैग में भर दिया गया। जिस क्षेत्र में वह रहता था, वहां भी आतंक मचा रखा था। रिक्शा चालक विशाल गवली के खिलाफ अभद्रता के पांच मामले दर्ज किए गए।

पत्नी ने किया था समर्थन

यह खुलासा हुआ है कि विशाल गवली की पत्नी साक्षी ने भी इस जघन्य कृत्य के बाद लड़की के शव को ठिकाने लगाने में मदद की थी। निजी बैंक में काम करने वाली साक्षी जब घर आई तो विशाल ने उसे घटना के बारे में बताया। इसके बाद दोनों ने बैठकर शव को ठिकाने लगाने का फैसला किया। वह शव को एक बैग में रखकर अपने दोस्त के रिक्शे पर बापगांव ले गया और उसे फेंक दिया। वह वहां से भागकर बुलढाणा चला गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस घटना से कल्याण क्षेत्र में गुस्से की लहर फैल गई। कल्याण की महिलाओं ने मांग की थी कि विशाल गवली का अंजाम भी अक्षय शिंदे की तरह किया जाए। सांसद श्रीकांत शिंदे ने नाबालिग लड़की के परिवार से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उसे फांसी की सजा दिलाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

नाबालिग से फिर हुई छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

हिललाईन पुलिस में पोक्सो के तहत मामला दर्ज

उल्हासनगर. शहर में फिर एक बार बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने की घटना सामने आयी है। मिली जानकारी के अनुसार हिललाइन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक 28 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ की। इस संबंध में हिललाइन पुलिस स्टेशन में पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश करने पर उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि जांच एक दिन में पूरी कर ली गई और आरोप पत्र मात्र 24 घंटे में अदालत में दाखिल कर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप ने बताया कि हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि अपराध की जांच फास्ट ट्रैक तरीके से अदालत में करवाकर आरोपी को सख्त सजा मिले और पीड़िता को न्याय मिले।

कर्ज से परेशान रिक्शा चालक ने की आत्महत्या

■ **डॉक्टरों को जेब से मिला सुसाइड नोट**

कल्याण. कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके में एक रिक्शा चालक ने कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर ली. यह मामला पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के जरिए प्रकाश में आया है।

अपने बच्चों की शिक्षा की फीस भरने के लिए लिया गया ऋण चुकाने में असमर्थ एक रिक्शा चालक ने साहूकारों द्वारा परेशान किए जाने के बाद एक कठोर कदम उठाया है। पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या करने वाले रिक्शा चालक का नाम विजय जीवन मोरे है। उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने वाले व्यक्ति का नाम सचिन दलवी और उसके साथ एक अज्ञात महिला है।

इस संबंध में मृतक विजय मोरे के बड़े भाई राजू जीवन मोरे (52) द्वारा बुधवार 9 अप्रैल को दिए गए बयान के आधार पर खड़कपाड़ा पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 108, 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता राजू मोरे भी रिक्शा चालक हैं और विजय मोरे परिवार के घर के बगल में रहते हैं। विजय मोरे के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। 31 मार्च को सुबह करीब साढ़े सात बजे विजय का शव घर की रसोई में नायलॉन की रस्सी के सहारे लोहे के एंगल से लटका मिला।

राजू मोरे ने आरोप लगाया है कि उनके भाई ने अपने लेनदारों यानी साहूकारों के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली। पहले तो मैं अपने भाई की आत्महत्या का कारण समझ नहीं पाया। हालाँकि, सच्चाई उसके भाई की पत्नी अर्चना से सामने आ गई। इसके अलावा फंदा खोलने के बाद विजय को तुरंत केडीएमसी के रुक्मिणीबाई अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। इसी बीच डॉक्टर को विजय की पैंट की जेब से एक नोट मिला। डॉक्टर ने मुझे यह नोट दिया। उनके भाई ने यह भी बताया कि उन्होंने यह नोट पुलिस स्टेशन में भी जमा करा दिया है।

खड़वली के छात्रावास में यौन शोषण व बच्चों से मारपीट

■ **29 बच्चों को छुड़ाया गया**
■ **संचालक समेत 5 गिरफ्तार**

कल्याण. खडवली इलाके में अवैध छात्रावास 'पसायदान विकास संस्था' में बच्चों के साथ मारपीट और यौन शोषण की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 29 बच्चों को बचा लिया है। इस मामले में किशोर न्याय अधिनियम 2015 और पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर संस्था के संचालक बबन शिंदे और चार अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, खडवली में 'पसायदान विकास संस्था' के संबंध में चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत प्राप्त हुई थी। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय की एक टीम ने पुलिस के साथ 11 अप्रैल को संस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों के शरीर पर मारपीट के निशान पाए गए तथा यह भी पता चला कि छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न भी किया गया था।

इस गंभीर घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संस्था से 29 बच्चों को मुक्त कराया। इनमें 20 लड़कियां और नौ लड़के शामिल हैं। बचाए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया तथा बच्चों की देखभाल के संबंध में निर्णय लिया गया।

इस मामले में पांच लोगों - संस्था के निदेशक बबन नारायण शिंदे, उनकी पत्नी आशा शिंदे, निदेशक के बेटे प्रसन्ना शिंदे, उनके सहायक प्रकाश सुरेश गुप्ता और दर्शना लक्ष्मण पंडित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। टिटवाला पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है. ये सभी पांच लोग खडवली क्षेत्र के निवासी हैं।

बचाए गए बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं और उनकी परीक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास अधिकारी संतोष भोसले ने बताया कि इन बच्चों की मेडिकल जांच के बाद उन्हें उल्हासनगर स्थित बालिकाओं के विशेष गृह/बाल गृह के साथ ही जूनियर एवं सीनियर बालकों के शासकीय बाल गृह में सुरक्षित रूप से भर्ती कराया गया है।

टिटवाला थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेश कदम ने बताया कि कल्याण कोर्ट ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है

पाइप लाइनों की मरम्मत के लिए दो करोड़ रुपये

■ **वार्षिक रखरखाव के लिए टेंडर**
■ **निर्बाध जलापूर्ति का सवाल अनुत्तरित**

उल्हासनगर. पानी की कमी और पानी की आपूर्ति बढ़ाने के फैसले के कारण उल्हासनगर महानगरपालिका विवादों के दलदल में फंस गई है। वहीं मनपा प्रशासन ने शहर में पाइप लाइन की मरम्मत और अन्य कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपये के टेंडर की घोषणा की है। दिलचस्प बात यह है कि 4 साल पहले भी 1.25 करोड़ रुपये के टेंडर की घोषणा की गई थी। करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद शहर में जलापूर्ति में सुधार होता नहीं दिख रहा है।

उल्हासनगर शहर में जनसंख्या घनत्व अधिक होने के कारण नागरिकों को अक्सर सेवाएं उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। शहर की जल वितरण और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणाली चुनौतीपूर्ण है। शहर में अक्सर पानी की पाइपें फट जाती हैं, जिससे पानी बह जाता है। इसी तरह सीवेज नालियां भी ओवरफ्लो होती नजर आ रही हैं। शहर के नागरिकों को पानी उपलब्ध कराने के लिए कुछ वर्ष पहले यहां ब्लू पाइप लाइन बिछाए गए थे। करोड़ों की लागत से हुए इस कार्य के बाद भी शहर में जगह-जगह लीकेज और पानी की चोरी देखी गई। शहर को लगभग 150 मिलियन लीटर पानी प्राप्त होता है। हालाँकि, अधिकांश पानी चोरी या रिसाव के कारण बर्बाद हो जाता है। जलापूर्ति विभाग खुद कहता है कि शहर में करीब 30 फीसदी पानी लीकेज है। इसलिए शहर में लीकेज और चोरी रोकने समेत रखरखाव और मरम्मत के नाम पर भारी खर्च किया जाता है।

चार साल पहले उल्हासनगर महानगरपालिका ने पाइपलाइन रखरखाव और मरम्मत के लिए 1.25 करोड़ रुपये की निविदा जारी की गई थी. इसके बाद मनपा प्रशासन ने पाइप लाइनों के रखरखाव व मरम्मत, लीकेज की रोकथाम, प्रदूषित पानी की समस्या के उन्मूलन जैसे कार्यों के लिए फिर से टेंडर घोषित किए हैं। रखरखाव और मरम्मत का कार्य दो क्षेत्रों में किया जाएगा। महानगरपालिका ने दो क्षेत्रों - कैंप 1, 2, 3 और कैंप 4, 5 - में क्रमशः 1.19 करोड़ रुपये और 71 लाख रुपये के कार्यों के लिए निविदाओं की घोषणा की है। इसलिए, कैंप पांच क्षेत्र में भाटिया चौक से रीजेंसी विला कुर्ला कैंप रोड तक पानी की पाइपलाइन का स्थानांतरण 1.5 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। 10 लाख रु. ठेकेदार यह कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा करेगा। हालाँकि, शहर में रखरखाव और मरम्मत पर इतना अधिक खर्च होने के कारण, यह प्रश्न उठता है कि क्या नागरिकों को सुरक्षित जल उपलब्ध हो सकेगा। इसलिए, ऐसे रखरखाव और मरम्मत की लागत को लक्षित करने की मांग की जा रही है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

मुठभेड़ के नाम पर पुलिस की मनमानी

मुठभेड़ के नाम पर पुलिस की मनमानी जिस तरह देश में बढ़ी है, वह चिंताजनक है। मानवाधिकार संगठन अदालतों का दरवाजा खटखटाते रहे हैं। पुलिस को भी कई बार फटकार लगाई जा चुकी है, लेकिन उसकी यह प्रवृत्ति खत्म नहीं हुई। आज भी वह जांच के नाम पर किसी को भी घर से उठा लेती है। ऐसी घटनाओं से नागरिकों का न केवल पुलिस पर से भरोसा उठता है, बल्कि उनमें असुरक्षा की भावना आ जाती है। ज्यादातर घटनाओं में पुलिस उचित कानूनी प्रक्रिया नहीं अपनाती।

ऐसे कई मामले सामने आए, जब नागरिकों को घरों से उठा कर पीटा गया या फिर उन्हें मारने के बाद मुठभेड़ की कहानी रच दी गई। जबकि कई घटनाएं पूरी तरह फर्जी मुठभेड़ भी होती हैं। इस तरह मानवाधिकारों का तो उल्लंघन होता ही है, वहीं पीड़ित को निष्पक्ष सुनवाई और सुरक्षा का अधिकार नहीं मिल पाता।

ढाई साल पुराने मामले में नोएडा पुलिस की मनमानी उस समय उजागर हुई, जब बारह पुलिसकर्मियों पर पिछले दिनों प्राथमिकी दर्ज हुई। हैरत की बात है कि फरवरी में आए अदालती आदेश पर अप्रैल में अमल किया गया। इस मामले में सादी वर्दी और बिना नंबर वाली गाड़ियों में आए पुलिसकर्मियों ने एक शख्स को घर से उठा कर पीटा था, फिर दिल्ली में पढ़ रहे उसके बेटे को मुठभेड़ में जख्मी कर दिया था। नोएडा की इस घटना से पता चलता है कि पुलिस तंत्र में जवाबदेही का किस कदर अभाव है। ज्यादातर पुलिसकर्मियों को नहीं पता कि संविधान में नागरिकों को कौन-कौन से अधिकार प्राप्त हैं और कानूनी एवं न्यायिक प्रक्रिया का भी कोई महत्त्व है। दरअसल, कठोर कार्रवाई न होने से प्रायः पुलिसकर्मी बार-बार मनमानी करते हैं।

कायदे से किसी भी मुठभेड़ के बाद तत्काल स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आए और पीड़ित को इंसाफ मिल सके। नागरिकों के मानवाधिकार की रक्षा के लिए यह आवश्यक भी है। वहीं पुलिस तंत्र की जवाबदेही तय करने के साथ उसे संवेदनशील बनाने की भी जरूरत है। शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देशों का ही अगर सख्ती से अनुपालन हो, तो पुलिसकर्मियों की मनमानी पर अंकुश लग सकता है। मगर जब कुछ पुलिसकर्मी ही आपराधिक शक्ल अख्तियार करने पर उतारू हों, तो वहां इंसाफ की उम्मीद का क्या होगा?

कांग्रेस की तकदीर गोहिल बदल पाएंगे या नहीं?

राजनीतिक पार्टियां अपने अधिवेशन के मंथन से वर्तमान तथा भविष्य की जरूरतों-चुनौतियों का कुछ न कुछ रास्ता निकालने की कोशिश करती हैं। अधिकांश राज्यों में सियासी वनवास झेल रही मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस साबरमती तट पर इस हफ्ते हुए अपने अधिवेशन में यही कोशिश करती दिखी।

इस मंथन से निकला सियासी अमृत पार्टी को कितनी संजीवनी देगा यह तो वक्त बताएगा मगर गुजरात में लंबे अर्से से प्रभावी नेता रणनीतिकार की उसकी खोज शक्ति सिंह गोहिल के रूप में पूरी होती दिखी। भाजपा के इस सबसे मजबूत गढ़ में तीन दशक से सत्ता से कांग्रेस के बाहर होने के बावजूद अधिवेशन का प्रभावी तरीके से आयोजन करने के गोहिल के प्रबंधन ने हाईकमान को भी हैरान कर दिया।

शायद तभी शिकायत रहित इस आयोजन की खुली प्रशंसा में हाईकमान ने भी कंजूसी नहीं दिखाई। लगातार छह विधानसभा चुनाव की पराजय की पृष्ठभूमि के बावजूद अधिवेशन में गुजरात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के हौसलों की उड़ान तथा भाजपा से लड़ने के जज्बे ने यूपी, बिहार, दिल्ली तथा मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के नेता भी हतप्रभ नजर आए। ऐसे कुछ नेता यह कहते सुने गए कि दो चुनावों की हार ने ही हमारे उत्साह को छीन लिया मगर इतनी शिकस्तों के बाद भी गुजरात में कार्यकर्ताओं का ऐसा हौसला दूसरों राज्यों के कांग्रेसियों के लिए नजीर है।

बहरहाल इस नजीर से गुजरात में कांग्रेस की तकदीर गोहिल बदल पाएंगे या नहीं यह तो 2027 में ही पता चलेगा। **चौबे का चौका** बिहार की राजनीति में भाजपा नेता अश्विनी चौबे अपने उल्टे-पुल्टे बयानों के लिए जाने जाते हैं। नीतीश कुमार की लाइन से अलग चलने वाले बाबा ने जब भी मुंह खोला है-हलचल ही मचाई है। इस बार उन्होंने नीतीश कुमार को उप प्रधानमंत्री बनाने की मांग की है, जिसके बाद से बिहार में बवाल मचा हुआ है। लोग इसका सीधा अर्थ लगा रहे हैं कि बाबा ने नीतीश की तारीफ की है, लेकिन खबर है कि भाजपा के लोग परेशान हैं कि बाबा के ऐसा बोलने से नीतीश के समर्थक भड़क सकते हैं। इसलिए बाबा के बयान को तुरंत निजी विचार बताने में देर नहीं की गई।

नीतीश के समर्थकों को साधे रखने का इसे सीधा प्रयास माना जा रहा है, लेकिन अंदर की खबर है कि भाजपा के एक गुट का मानना है कि लोकसभा चुनाव में बेटिकट होने से बाबा बेहद खफा हैं। इसकी भरपाई वह विधानसभा चुनाव में अपने पुत्र को भागलपुर से टिकट दिलाकर करना चाहते हैं। किन्तु दिक्कत यह है कि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से बाबा का रिश्ता छत्तीस का है। इसलिए बाबा सारे विकल्पों को खुला रखना चाहते हैं। **बेटर लक नेक्स्ट टाइम** कई बार आप कोई सामान खरीदते हैं उसके पैकेट पर लिखा होता है कि इसके अंदर एक कार्ड मिलेगा जिसे स्क्रेच करने से ईनाम मिलेगा लेकिन जब आप पैकेट खोल कर कार्ड स्क्रेच करते हैं तो उसमें ईनाम नहीं निकलता बल्कि लिखा होता है बेटर लक नेक्स्ट टाइम। मार्केटिंग की यह रणनीति कई बार वकीलों पर भी लागू होती है।

हाल ही में अदालत में एक वकील साहब बहस कर रहे थे मगर कोर्ट उनकी दलीलों से सहमत नहीं था। तभी वकील साहब ने सहानुभूति लेने के लिए कहा सुप्रीम कोर्ट में उनका यह पहला केस है। बस छूटते ही कोर्ट ने कहा पहली ही बार में इतना कमजोर केस लेकर यहां आए। प्रौढ़ उम्र में प्रवेश कर चुके वकील साहब से यह भी पूछ लिया कि वकालत में इतनी देर से क्यों आए। वकील ने कहा कि वे दूसरी नौकरी में थे।

बहरहाल कोर्ट ने प्रौढ़ावस्था में नए वकील बनने पर पहले उन्हें शुभकामनाएं दी और अंत में केस खारिज कर दिया और बेचारे वकील साहब बेटर लक नेक्स्ट टाइम का अहसास लिए अदालत से लौट गए। **ब्रेकिंग से पहले सब्र करो** न्यूज चैनल ब्रेकिंग के चक्कर में इतने उतावले रहते हैं कि सही-गलत को समझे-परखे बिना न्यूज को फ्लैश कर देते हैं। 26/11 के मास्टरमाइंड आतंकी तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाने के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ। असल में टेलीविजन चैनल राणा के आगमन से कई घंटे पहले ही एयरपोर्ट पहुंच गए थे।

जिस प्रकार एक मछली सागर के बिना नहीं जी सकती, उसी प्रकार आत्मा भी परमात्मा के बिना नहीं जी सकती।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

स्कूल में पढ़ाने की जगह क्लास में सोती रही टीचर

उत्तर प्रदेश के मेरठ में बेसिक शिक्षा विभाग का एक सरकारी स्कूल चर्चा का विषय बना हुआ है. इस

जरा हट के

स्कूल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में सरकारी स्कूल की शिक्षिका कुर्सी पर बैठकर सो रही हैं. वीडियो के वायरल होते ही लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं. वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है.

सरकारी स्कूल से शिक्षिका का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर तरह-तरह के कमेंट करते हुए भी नजर आ रहे हैं. कई यूजर का कहना है कि सरकार जिस तरीके से सरकारी विद्यालय में बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए खर्च करती है. सरकार को उसकी विशेष मॉनेटिंग भी करनी चाहिए, जिससे स्कूल आने वाले बच्चों के बेहतर शिक्षा मिल सके. इसके साथ ही स्कूल

में सुधार दिखाई देना चाहिए. वहीं, एक दूसरे यूजर अभय का कहना है कि इसी तरह के हालात को देखते हुए माता-पिता सरकारी स्कूलों की जगह प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना पसंद कर रहे हैं.

इस वीडियो को वायरल कर इसे मेरठ के कृष्णपुरी का बताया जा रहा है, लेकिन इस वीडियो की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है. आखिर मेरठ के किस विद्यालय का यह वीडियो है. ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा इसकी जांच की जा रही है. जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी.

बता दें कि इससे पूर्व भी कई ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए थे. जहां एक स्कूल की महिला टीचर प्रशिक्षु छात्राओं के साथ डांस करते हुए नजर आ रही थी. वीडियो को सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी का बताया गया था. वहीं, एक वीडियो में छात्रा से झाड़ू लगाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है.

ऐसे में कह सकते हैं कि जिस तरीके से सरकारी स्कूल के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. उसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग को सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए.

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, वह तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल है। इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त और ठोस कारण हैं कि नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उसे अराजकता के लिए उकसा भी रहे हैं।

अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैर सरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही है, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। जब यह स्थिति निर्मित की जाती है तो अराजक तत्व मौके का फायदा उठाते हैं। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन वे उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। नए वक्फ कानून से किसी की भी असहमति हो सकती है, लेकिन उसके विरोध के नाम पर हिंसा का सहारा लेना कानून के शासन को सीधी चुनौती देना है। बंगाल में ऐसा ही किया जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन के विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और वे सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने

तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की?

वक्फ संपत्तियों की देखरेख मजहबी मामला नहीं है और यदि एक क्षण के लिए ऐसा मान लिया जाए तो भी मजहब के नाम पर किसी को मनमानी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। वक्फ बोर्ड यही करने में लगे हुए थे। यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव किया जा रहा हो।

इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया गया था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी।

अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। यदि बंगाल में वक्फ कानून के विरोध की आड़ में फैलाई जा रही अराजकता पर लगाम नहीं लगी तो अन्य राज्यों में भी इस कानून के विरोधी हिंसा का सहारा ले सकते हैं।

आलू-प्याज का पराठा

सुबह की भागदौड़ में अगर सबसे ज्यादा किसी चीज की टेंशन होती है, तो वो है – ब्रेकफास्ट में क्या बनाएं? कुछ ऐसा जो टेस्टी भी हो, पेट भी भरे और सबको पसंद भी आ जाए। ऐसे में, अगर आप आलू-प्याज के पराठे बना लें, तो समझिए आपकी सुबह शानदार बन जाएगी। यहां हम आपको बताएंगे एक ऐसी रेसिपी जिससे आपका आलू-प्याज पराठा इतना लाजवाब बनेगा कि खाने वाले उंगलियां चाटते रह जाएंगे और कहेंगे– 'वाह! क्या पराठा बनाया है!'

सामग्री :

- गेहूं का आटा – 2 कप
- थोड़ा-सा नमक
- पानी (गूंथने के लिए)
- 1 चम्मच तेल
- उबले हुए आलू – 3-4
- प्याज – 1
- हरी मिर्च – 1-2
- हरा धनिया – 2 चम्मच
- अदरक – आधा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर – 1/2 चम्मच
- गरम मसाला – 1/2 चम्मच
- अमचूर पाउडर या नींबू का रस – स्वाद अनुसार
- नमक – स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले एक बर्तन में गेहूं का आटा, थोड़ा नमक और तेल डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें। इसे 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें। इसके बाद उबले हुए आलू को मैश कर लें। उसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक, धनिया और सारे मसाले डालें। सब कुछ अच्छी तरह मिला लें ताकि एकसार स्टफिंग तैयार हो जाए। फिर आटे की छोटी लोई लें और बेलन से हल्का बेल लें। बीच में 1-2 चम्मच स्टफिंग रखें और किनारों से मोड़ते हुए गोला बना लें। अब इसे धीरे-धीरे बेलें और ध्यान रखें कि स्टफिंग बाहर न निकले। दोनों तरफ घी या मक्खन लगाकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंकें। इन गरमागरम आलू-प्याज के पराठों को आप दही, आम का अचार या फिर बटर के साथ परोस सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

वृषभ : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क : प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है।

सिंह : भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है।

कन्या : शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला : शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु : किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

मकर : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कुंभ : मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सही खानपान से कम हो सकता है कैंसर का खतरा

कैंसर एक गंभीर बीमारी है, जिसकी चपेट में हर साल लाखों लोग आते हैं। दरअसल, यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकता है और वक्त पर इलाज न मिले, तो यह फैल भी सकता है। भारत के अस्पतालों में देखें तो कैंसर के मरीजों की भरमार दिखती है। यह एक जानलेवा बीमारी है। इस बीमारी का समय पर इलाज करवाना बेहद जरूरी होता है। हालांकि सही पोषण यानी कि पौष्टिक और संतुलित आहार से इसके खतरे को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। हेल्दी डाइट न सिर्फ हमारा किसी भी बीमारी से बचाव करता है बल्कि इलाज के दौरान और बाद में भी हमारे शरीर को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। आइए जानते हैं पोषण से भरपूर डाइट कैंसर में हमारी कैसे रक्षा करता है।

कैंसर से बचाव में क्या है पोषण की भूमिका

हेल्दी डाइट लेने से शरीर में सूजन कम होती है। इससे हमारी इम्युनिटी मजबूत होती है। इससे कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, साबुत अनाज और दालें शरीर को जरूरी एंटीऑक्सीडेंट देती हैं, जो शरीर में हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं। अगर आप भी कैंसर के खतरे को कम करना चाहते हैं तो आपको अपनी डाइट में पोषण से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर ज्यादा तला-भुना, प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट और मीठा ज्यादा खाने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

इलाज के दौरान पोषण की भूमिका

कैंसर की बीमारी में जब मरीज कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी या अन्य इलाज से गुजर रहा होता है, तब उसका शरीर कमजोर हो जाता है। इस दौरान आपको हेल्दी डाइट लेना जरूरी हो जाता है। ये शरीर में ताकत को बनाए रखने में मदद करते हैं। अगर आपका ट्रीटमेंट चल रहा है तो आपको प्रोटीन और कैलोरी से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।

वैसे तो आपको सेहतमंद रहने के लिए हर समय हेल्दी डाइट लेनी चाहिए लेकिन कैंसर का इलाज पूरा होने के बाद भी खानपान पर विशेष ध्यान रखना होता है। पोषण से भरपूर आहार लेने से न केवल दोबारा कैंसर होने के खतरे को कम किया जा सकता है बल्कि ये मरीज की सेहत और ऊर्जा बनाए रखता है।

खानपान में सावधानी जरूरी

इलाज के दौरान शरीर की इम्युनिटी काफी कम हो जाती है। ऐसे में आपको खाना बनाते समय या खाते समय हाइजीन मेंटेन रखना चाहिए। इस दौरान आपको पानी भी भरपूर मात्रा में पीना चाहिए। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी सप्लीमेंट या जड़ी-बूटी लेने से बचें। इसका आप पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है।

मोटापे से बचना है, पेट और दिल की सेहत को रखना है दुरुस्त तो जानिए

कुकिंग का कौन-सा तरीका है सबसे हेल्दी

सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी खाना बेहद जरूरी है. कई लोगों को लगता है कि वह खाना घर पर पकाकर खा रहे हैं तो वह हेल्दी है. जबकि ऐसा नहीं है. हमारे घरों में खाना कभी उबालकर, कभी तेल में फ्राई करके, कभी सॉते तो कभी भाप से बनता है. खाना किस तरीके से बनाया जा रहा है और इससे उसमें कितने पोषक तत्व बचे हैं, इसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है.

स्टीमिंग और बॉयलिंग को अपनाएं

डायटीशियन संगीता अय्यर के अनुसार साउथ इंडियन खाने को हेल्दी माना जाता है. इसकी सबसे बड़ी वजह है कि उसे स्टीम करके बनाया जाता है. अगर खाने को भाप से पकाया जाए तो विटामिन बी, सी और एंटीऑक्सीडेंट खाने में बरकरार रहते हैं. वहीं, अगर खाने को उबालकर बनाया जाए तो भी पोषक तत्व खाने में रहते हैं. लेकिन इस दौरान ध्यान रखने की जरूरत है कि ज्यादा पानी ना डाला जाए. सूप, दाल या चावल को उबालने के दौरान कम पानी डालें.

सॉते क्या ठीक है?

कई लोग सब्जियों को मध्यम आग में सॉते करते हैं. यह फ्राई करने का ही तरीका है लेकिन इसमें तेल कम लगता है और इससे फैट सॉल्युबल विटामिन जैसे विटामिन डी, ए, के और ई एब्जॉर्ब हो जाते हैं. इसे खाने से नुकसान नहीं होता. लेकिन कई लोग सॉते के नाम पर ज्यादा तेल डाल देते हैं और सब्जियों में वह तैरता रहता है. यह नुकसान कर सकता है. इससे मोटापा भी घेर सकता है. डीप फ्राइड खाने जैसे पूरी, फ्राइज, पराठे, पापड़, पकौड़े जैसी चीजों को खाने से बचना चाहिए. इससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है. अगर फैट लीवर की समस्या है या कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है डीप फ्राइड के अलावा सॉते से भी बचना चाहिए.

स्प्राउट्स हैं हेल्दी लेकिन ये लोग बचें

जब छोले, राजमा या ड्राई फ्रूट्स को भिगोया जाता है तो इसमें से एंटी न्यूट्रीएंट्स कम हो जाते हैं जिससे इन्हें खाकर शरीर में न्यूट्रिशन अच्छे से एब्जॉर्ब होते हैं. चीजों को अंकुरित करके खाने से शरीर को ताकत मिलती है. इससे गट हेल्थ भी मजबूत बनता है. लेकिन अगर किसी को पहले से पेट की दिक्कत हो या कोई महिला प्रेग्नेंट हो तो उन्हें स्प्राउट्स खाने से बचना चाहिए.

धीमी आंच पर पकाएं खाना

कुछ लोग जल्दी खाना बनाने के चक्कर में आंच तेज कर देते हैं जबकि खाने को हमेशा धीमी आंच पर पकाना चाहिए. इससे खाने का स्वाद बरकरार रहता है और विटामिन, मिनरल्स समेत सभी पोषक तत्व खाने से खत्म नहीं होते. इससे डाइजेशन सुधरता है. खाना बनाने का यह तरीका जॉइंट्स और गट को हेल्दी रखता है.

ज्यादा झड़ रहे हैं बाल तो ऐसे करें खजूर का यूज

- कुछ ही दिनों में रुक जाएगा हेयर फॉल
- तेजी से होगी ग्रोथ

आजकल बालों का झड़ना एक आम समस्या बन चुकी है, चाहे महिलाएं हों या पुरुष, हर कोई इससे परेशान है. स्ट्रेस, हार्मोनल बदलाव, पोषण की कमी और प्रदूषण जैसे कई कारण हैं जो बालों की सेहत को प्रभावित करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके किचन में मौजूद एक स्वादिष्ट ड्राय फ्रूट खजूर आपके झड़ते बालों के लिए एक बेहतरीन समाधान हो सकता है?

खजूर ना सिर्फ स्वाद में मीठा होता है, बल्कि इसके अंदर कई तरह के पोषक तत्व भी छिपे होते हैं जो बालों की जड़ों को मजबूत करने और उन्हें झड़ने से रोकने में मदद करते हैं. इसमें आयरन, विटामिन B, और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो बालों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं.

खजूर में मौजूद आयरन शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाता है, जिससे स्कैल्प तक पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचती है. इससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और झड़ने की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है. साथ ही खजूर

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो फ्री रेडिकल्स को खत्म कर स्कैल्प को हेल्दी बनाए रखता है.

खजूर का हेयर पैक कैसे बनाएं?

खजूर को बालों पर लगाने के लिए एक आसान हेयर पैक तैयार किया जा सकता है. इसके लिए कुछ खजूर को दूध में भिगोकर 4-5 घंटे रखें. फिर इन्हें पीसकर एक स्मूद पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को स्कैल्प और बालों की जड़ों में अच्छे से लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद हल्के शैम्पू से बाल धो लें. इस पैक का सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से बालों की ग्रोथ में फर्क नजर आने लगेगा. डाइट में भी करें शामिल सिर्फ लगाने से ही नहीं, खजूर को अपनी डाइट में शामिल करने से भी बालों को पोषण मिलता है. रोजाना 3-4 खजूर खाने से शरीर को जरूरी मिनरल्स और विटामिन्स मिलते हैं, जो बालों को भीतर से मजबूत बनाते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मुंडन समारोह के दौरान घर में घुसे, मेहमान की गोली मारकर की हत्या

अलीगढ़. अलीगढ़ में बदमाशों का आतंक देखने को मिला है। बन्नादेवी थाना इलाके में मोटरसाइकिल सवार चार हथियारबंद बदमाशों ने नगला करार मोहल्ले में स्थित एक घर में घुसकर गोलीबारी की जिसमें एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मुरारी लाल वाल्मीकि (40) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त घर में मुंडन समारोह का आयोजन किया जा रहा था जिसमें वाल्मिकी पत्नी और बच्चों के साथ शामिल होने आया था।

रोज शराब पीकर आता था घर, बीवी ने पति को छत से दिया धक्का, मौत

सुल्तानपुर. यूपी के सुल्तानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां कथिक तौर पर एक बीवी ने अपने पति को छत से धक्का दे दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। उधर, जानकारी मिलने पर पुलिस महिला को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ये घटना रायबरेली-बांदा मार्ग पर अमहट में स्थित कांशीराम कॉलोनी का है। ब्लॉक नंबर 67 में 40 साल का दिलशाद अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते था। बहन सायमा बानो के मुताबिक दिलशाद ने शनिवार की देर रात पत्नी से खाना मांगा था, इसी दौरान पत्नी ने उसे छज्जे से धक्का दे दिया। चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में उसे लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रयागराज में दबंगों ने मजदूरी के बहाने बुलाकर की दलित युवक की हत्या, शव भी जलाया

प्रयागराज. प्रयागराज से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां शनिवार की देर रात एक दलित युवक की बेरहमी से हत्या के बाद उसका शव जला दिया गया। रविवार सुबह उसका अधजला शव मिला। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उधर, परिजनों ने सात लोगों पर मामला दर्ज कराया है। ये घटना यमुना नगर के करछना थाना क्षेत्र के इटौरा गांव का है। सहायक पुलिस आयुक्त वरुण कुमार ने बताया कि रविवार सुबह सूचना मिली कि असौटा गांव में एक बाग में अधजला शव मिला है जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसकी पहचान 35 साल के देवी शंकर के रूप में की। मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर में शंकर की हत्या का आरोप दिलीप सिंह और अन्य पर लगाया गया है।

आतंकी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लेगी NIA

- राणा की मंजूरी जरूरी
- हेडली की मदद करने वाले 'इम्प्लॉई बी' को सामने बिठाकर होगी पूछताछ

नई दिल्ली. तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) रविवार को तीसरे दिन पूछताछ करेगी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लिए जा सकते हैं। NIA पता लगाएगी कि क्या तहव्वुर नवंबर 2008 के हमलों के दौरान फोन पर निर्देश (इंस्ट्रक्शन) दे रहा था। वॉयस सैंपल लेने के लिए तहव्वुर की सहमति जरूरी होगी। मना करने पर NIA कोर्ट जा सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को NIA की पूछताछ में एक 'कर्मचारी बी' का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। अब NIA राणा और 'कर्मचारी बी' को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करेगी।

एजेंसी के मुताबिक 'कर्मचारी बी' को आतंकी साजिश की जानकारी नहीं थी। वह सिर्फ राणा के निर्देश पर हेडली के लिए रिसेप्शन, ट्रांसपोर्ट, ठहरने की जगह और ऑफिस की व्यवस्था करता था। डेविड हेडली मुंबई हमले का मास्टरमाइंड था।

10 अप्रैल को तहव्वुर को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था। इसके बाद उसे 18 दिन की NIA कस्टडी में भेजा गया है। कस्टडी के दौरान NIA रोजाना राणा से पूछताछ की एक डायरी तैयार करेगी।

भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए राणा ने अमेरिकी विदेश विभाग को 21 जनवरी को लेटर लिखा था, जिसमें 33 बीमारियों और भारत में टॉर्चर का हवाला दिया गया था। उसके वकील ने लिखा था कि राणा को पार्किंसन्स, दिल की बीमारी, किडनी खराबी, अस्थमा, टीबी और ब्लैडर कैंसर सहित कई गंभीर बिमारियां हैं।

साथ ही उसने दावा किया था कि राणा को भारत में मुस्लिम और पाकिस्तानी मूल का होने की वजह से प्रताड़ना झेलनी पड़ सकती है। लेकिन अमेरिकी विदेश विभाग ने 11 फरवरी को जवाब देते हुए इन दावों को खारिज किया और कहा कि प्रत्यर्पण सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार होगा।

तहव्वुर राणा को लेकर 3 जरूरी बातें

राणा को NIA मुख्यालय, लोधी रोड में हाई-सिक्योरिटी ग्राउंड फ्लोर की 14x14 फीट की सेल में रखा गया है। वह सुसाइड वॉच पर है और उस पर 24 घंटे गार्ड्स और सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। उसे केवल सॉफ्ट टिप पेन ही दिया गया है, जिससे वह खुद को नुकसान न पहुंचा सके।

राणा ने 'दुबई मैन' का नाम लिया है, जिसे हमले की पूरी प्लानिंग पता थी। एजेंसी को शक है कि यह व्यक्ति पाकिस्तान और दुबई के बीच नेटवर्क संभालता था और हमलों की फाइनेंसिंग, लॉजिस्टिक सपोर्ट में अहम भूमिका निभा रहा था।

ये भी पता चला है कि राणा का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से भी करीबी संपर्क था और उसे पाकिस्तानी सेना की वर्दी से खास लगाव था। NIA ने पहले दिन शुक्रवार को 3 घंटे पूछताछ की। एजेंसी ने बताया कि वह कोऑपरेट नहीं कर रहा है। NIA की कोशिश है कि तहव्वुर के परिवार और दोस्तों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

संविधान संशोधन सुप्रीम कोर्ट करेगा तो सदन क्या करेंगे!

- केरल के राज्यपाल बोले- संविधान में बिल पर निर्णय लेने की समय सीमा नहीं

नई दिल्ली. केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ज्यूडिशियल ओवररीच बताया है। ज्यूडिशियल ओवररीच का मतलब कोर्ट का सीमा पार कर कार्यपालिका और विधायिका में दखल होता है। उन्होंने आगे कहा, कोर्ट संविधान संशोधन करेगा, तो संसद और विधानसभा की क्या भूमिका रहेगी?

केरल राज्यपाल ने कहा- संविधान में गवर्नर के लिए विधेयकों पर निर्णय लेने की समय सीमा नहीं है। कोर्ट द्वारा 3 महीने की सीमा तय करना संविधान संशोधन जैसा है। दो जज संविधान का स्वरूप नहीं बदल सकते। न्यायपालिका खुद मामलों को वर्षों लंबित रखती है, ऐसे में राज्यपाल के पास भी कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा, केरल राजभवन में कोई बिल लंबित नहीं है। कुछ बिल राष्ट्रपति को भेजे गए हैं। गौरतलब है कि केरल सरकार भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट गई है, जिस पर 13 मई को सुनवाई है। केरल सरकार ने सीजेआई संजीव खन्ना से अपना केस जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच को भेजने का आग्रह किया है। अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया।

घर छोड़कर भागे 400 से ज्यादा हिंदू

- बीजेपी बोली- कट्टरपंथियों को शह दे रही ममता सरकार

कोलकाता. वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के धुलियान में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। पश्चिम बंगाल के डीजीपी का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है। वहीं यहां रविवार सुबह भी फायरिंग की खबरें आई थीं। जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह बीएसएफ की टीमों को निशाना बनाकर फायरिंग की गई थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का दावा है कि धुलियान में कम से कम 400 हिंदुओं को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करना पड़ गया है। बता दें कि इस हिंसा में कम से कम तीन लोगों की जान गई है।

अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति कि वजह से कट्टरपंथियों को छूट और बढ़ावा दिया जाता है। अधिकारी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 400 से ज्यादा हिंदुओं को धुलियान छोड़ना पड़ गया है। कट्टरपंथियों के डर के मारे उन्हें पार लालपुर हाई स्कूल, देवनाकुप-सोवापुर जीपी, बैसनाबनगर मालदा में शरण लेनी पड़ी है। इसके अलावा अधिकारी ने वीडियो और फोटो भी शेयर किए। बताया गया कि पार लालपुर हाई स्कूल में कम से कम 500 लोग पलायन करके पहुंचे हैं। वहीं मालदा के स्थानीय लोग उनकी मदद कर रहे हैं। बताया गया कि दो दिनों से लोग पलायन कर रहे हैं। वहां के लोगों ने बताया कि वे जान बचाकर भागे हैं। महिलाओं ने कहा कि पानी में भी जहर मिलाने की धमकी दी गई और इसलिए वे जान बचाकर भाग आए। अधिकारी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में एक शख्स ने कहा कि उसके घर को जला दिया गया है और पुलिस अधिकारियों ने उसकी मदद के लिए कुछ नहीं किया। उसने कहा कि बीएसएफ, पुलिस और जिला प्रशासन को मिलकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि वे अपने घरों को लौट सकें।

भाजपा और AIADMK के साथ आने से राज्यसभा में बदल गया गणित

- विपक्ष को कितना घाटा

नई दिल्ली. भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने राज्यसभा में बिना मनोनित सदस्यों के ही बहुमत सुनिश्चित कर लिया है और यह बड़ा बदलाव एक दिन पहले एआईएडीएमके के एनडीए के साथ आने से हुआ है। भाजपा और एआईएडीएमके के इस गठबंधन से राज्यसभा के गणित में बड़ा बदलाव आया है। एआईएडीएमके के चार सांसदों के समर्थन से NDA की ताकत और बढ़ गई है, जबकि विपक्ष की स्थिति कमजोर हो गई है। रोचक यह है कि जब भाजपा शासित सरकार ने राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया था, तब एआईएडीएमके ने इस विधेयक के विरोध में वोट किया था।

NDA को कितना फायदा

वर्तमान में राज्यसभा में कुल 236 सदस्य हैं, जिनमें नौ सीटें खाली हैं। एनडीए के पास राज्यसभा में 119 सदस्य हैं, जिसमें हरियाणा के निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा का भी समर्थन है, जिन्होंने भाजपा के समर्थन से चुनाव जीता था। अब, एआईडीएमके के चार सांसदों के समर्थन के साथ, भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन की संख्या बढ़कर 123 हो जाएगी। ऐसे में, जब सदन अपनी पूर्ण सदस्यता यानी 245 तक पहुंचेगा, तब भी एनडीए के पास बहुमत रहेगा।

इसके अलावा, एनडीए को छह नामांकित सदस्य का भी समर्थन प्राप्त है, जिससे प्रभावी सदस्यता 125 हो जाती है। सभी छह नामांकित सदस्य भाजपा द्वारा नियुक्त किए गए हैं और सामान्यतः नामांकित सदस्य उस पार्टी के पक्ष में मतदान करते हैं जो उन्हें सदन में भेजती है।

सब्जी काट रही मां से हसिया छीन की पिता की हत्या

बरेली. बरेली के नवाबगंज में मां को पीट रहे शराब के नशे में धुत बेटे ने हंसिये से गर्दन पर प्रहार कर पिता को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव मिलक पिछौड़ा के मजरा इनायतपुर निवासी 65 वर्षीय लालाराम खेतीबाड़ी करते थे। लालाराम के चार बेटे हैं। तीसरे नंबर का बेटा छत्रपाल शराब का आदी है। शुक्रवार रात आठ बजे छत्रपाल नशे में धुत होकर घर पहुंचा और सब्जी काट रही मां रामदेई से हंसिया छीनकर मारपीट करने लगा।

पटाखा कारखाने में भीषण आग

2 महिलाओं समेत 8 लोगों की मौत

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को पटाखा कारखाने में भीषण आग लग गई। इस घटना में 2 महिलाओं समेत 8 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त किया। गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, 'आग लगने की दुर्घटना में दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं।' उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अनिता और जिले के अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में स्थित ट्रैक्टर शोरूम में शनिवार रात अचानक भीषण आग लग गई।

आतिशी का आरोप- दिल्ली सीएम के पति चला रहे सरकार

पूछा- क्या रेखा काम नहीं संभाल सकतीं; BJP बोली- पत्नी का साथ देना सामान्य बात

नई दिल्ली. दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और AAP नेता आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आरोप लगाया कि उनके पति सरकार चला रहे हैं। आतिशी ने X पर फोटो शेयर कर लिखा- इन फोटो को ध्यान से देखिए। जो व्यक्ति MCD, DJB, PWD और DUSIB के अफसरों की मीटिंग ले रहे हैं, यह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता हैं।

आतिशी ने दिल्ली में हो रहें पावर कट और बढ़ती स्कूल फीस को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- क्या रेखा गुप्ता को काम संभालना नहीं आता? इसी वजह से दिल्ली में रोज लंबे-लंबे पावर कट हो रहे हैं? प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ रही है?

वहीं, इसके जवाब में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। सचदेवा ने कहा कि किसी भी पति का अपनी पत्नी को समर्थन करना सामान्य बात है। X पर सचदेवा ने लिखा - मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से इस पद तक पहुंची हैं और यह बिल्कुल सामान्य बात है कि परिवार के सदस्य उनका समर्थन कर रहें हैं।

आतिशी बोलीं- मुख्यमंत्री पति का सरकार चलाना बेहद खतरनाक

आतिशी ने कहा - हम पहले सुनते थे कि अगर गांव में महिला सरपंच चुन कर आती थी, तो सारा सरकारी काम उसका पति संभालता था। ऐसा माना जाता था कि गांव की महिलाओं को सरकारी काम संभालना नहीं आता, इसलिए काम 'सरपंच-पति' संभालेंगे।

अभिषेक शर्मा ने तोड़ा राहुल का रिकॉर्ड

- IPL में हाईएस्ट स्कोरर बने

सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL-18 के 27वें मैच में इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया। शनिवार को दूसरे मैच में टीम ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 246 रन का टारगेट 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। ओपनर अभिषेक शर्मा IPL में बतौर भारतीय हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोरर बने। उन्होंने 141 रन की पारी खेली।

राजीव गांधी स्टेडियम में शानदार मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। स्टोयनिस ने शमी को लगातार 4 छक्के लगाए। यश की नो बॉल पर अभिषेक कैच हुए। उन्होंने अपनी सेंचुरी ऑरेंज आर्मी को डेडिकेट की। अभिषेक ने 106 मीटर लंबा सिक्स लगाया।

- नो बॉल पर कैच हुए अभिषेक

अभिषेक को जब नो बॉल पर जीवनदान मिला, तब वे 18 रन पर थे। SRH के ओपनर अभिषेक शर्मा चौथे ओवर में नो बॉल पर कैच हुए। यश ठाकुर ने ओवर की तीसरी गेंद ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी, अभिषेक कैच हो गए। अभिषेक पवेलियन जाने लगे, लेकिन थर्ड अंपायर ने गेंद को नो बॉल करार दे दिया। अभिषेक ने अगली गेंद पर हेलिकॉप्टर शॉट खेलकर छक्का लगाया।

- अभिषेक का कैच छूटा

आठवें ओवर में अभिषेक को दूसरा जीवनदान मिला। युजवेंद्र चहल के ओवर की पहली बॉल अभिषेक ने हवा में खेली। खुद की बॉलिंग में पीछे की तरफ भागकर चहल ने डाइव लगाई, लेकिन कैच छूट गया। 10वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने मार्को यानसन को 106 मीटर लंबा सिक्स लगाया। ओवर की तीसरी बॉल पर अभिषेक ने ऑफ स्टंप के बाहर आकर मिडविकेट पर सिक्स लगाया।

सर्प दोष से मुक्ति पाने को 7 महीने की बेटी को मार डाला

- कोर्ट ने मां को सुनाई फांसी की सजा

तेलंगाना में सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए अपनी सात महीने की मासूम बेटी की बलि देने वाली एक 32 वर्षीय गृहिणी को सूर्यापेट की एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को मृत्यु दंड की सजा सुनाई। आरोपी महिला बी भारती उर्फ लस्या को अदालत ने यह सजा दुर्लभ से दुर्लभतम मामला मानते हुए सुनाई। यह घटना 15 अप्रैल 2021 की है, जब भारती ने अपने घर में विशेष पूजा के दौरान अपनी बच्ची की गला रेतकर और जीभ काटकर हत्या कर दी थी।

घटना के समय घर में उसका बीमार ससुर मौजूद था, जिसने बच्ची की चीखें सुनकर शक होने पर देखा कि भारती खून से सने कपड़ों में बाहर जा रही है। ससुर ने तुरंत बेटे और पड़ोसियों को सूचित किया। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

भारती के पति बी कृष्णा ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया, "मेरी पत्नी ने पूजा के दौरान कहा कि उसने हमारी बेटी की बलि देकर सर्प दोष से मुक्ति पाई है।" पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भारती को गिरफ्तार किया और जांच शुरू की।

कृष्णा ने बताया कि भारती पहले से मानसिक समस्याओं से जूझ रही थी और एक ज्योतिषी ने उसे सर्प दोष होने की बात कही थी, जिससे वह मानसिक रूप से बेहद प्रभावित हो गई थी। परिवार ने खम्मम के एक मानसिक चिकित्सक से परामर्श लिया था, लेकिन भारती ने दवाएं नहीं लीं।

2023 में भारती ने अपने पति पर भी एक किलो वजनी पत्थर से सोते समय हमला किया, जिसके बाद उस पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज हुआ और हाल ही में उसे एक साल की सजा भी सुनाई गई।

कोडाड के डीएसपी श्रीधर रेड्डी ने बताया, ₹सभी सबूतों और गवाहों के आधार पर अदालत ने यह मामला 'rarest of the rare' माना और आरोपी को मौत की सजा सुनाई।₹ पुलिस ने 10 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें बच्ची के चाचा और फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल थे। आरोपी भारती को अब हैदराबाद के चंचलगुडा महिला केंद्रीय कारागार में रखा गया है।

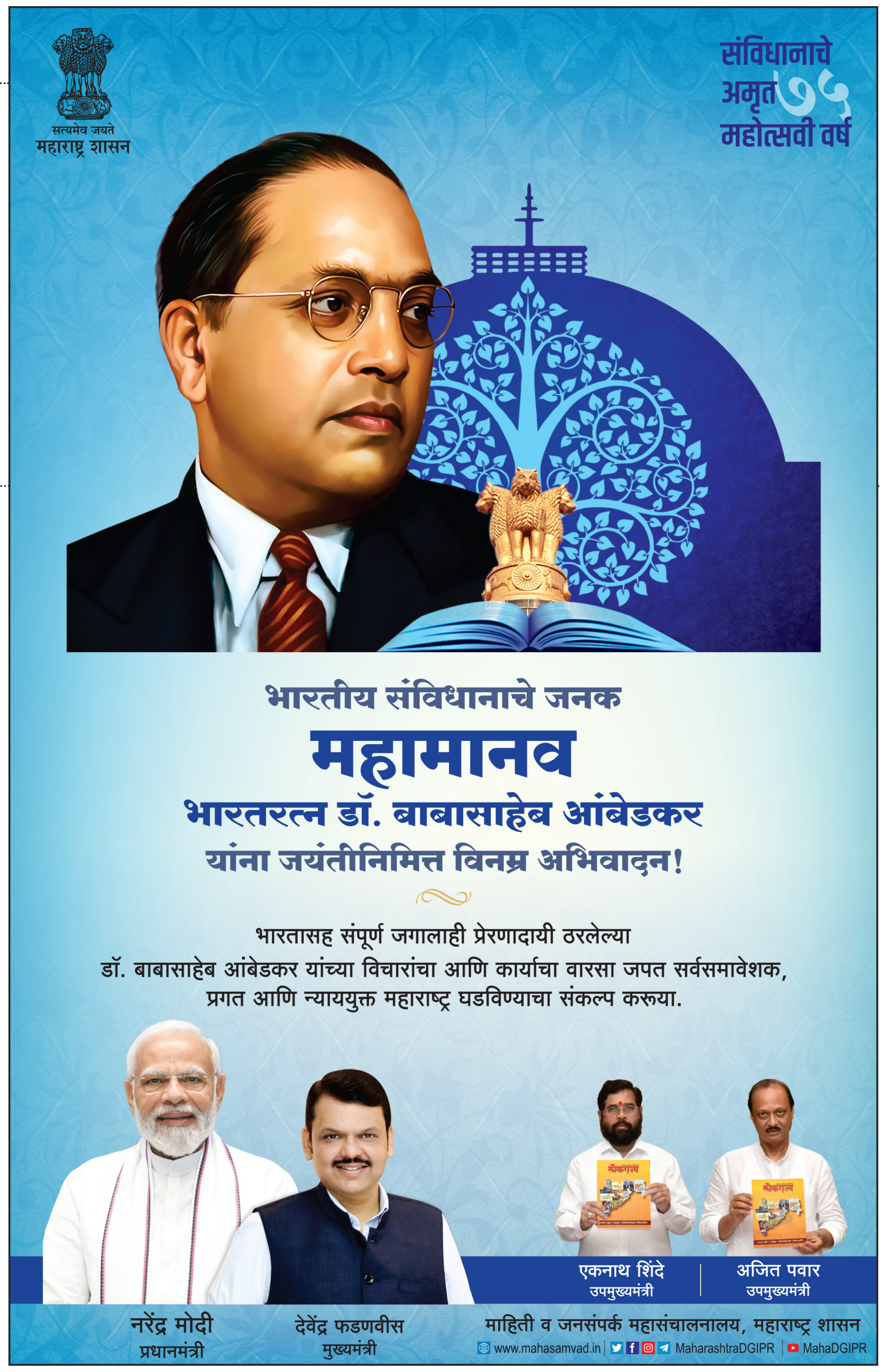

संक्षेप...

कलवा खाड़ी में मिली लाश

ठाणे. कलवा स्थित पारसिक रेतीबंदर खाड़ी में एक व्यक्ति व्यक्ति की लाश मिली है.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान नहीं हो पायी है.

मनपा के आपदा प्रबंधन का कक्ष को सुबह लगभग साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि पारसिक नगर के गणपति विसर्जन घाट के नजदीक पारसिक-रेतीबंदर खाड़ी में खाड़ी के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति लाश पड़ी है. सूचना मिलने के बाद पुलिस एवं अग्निशमन दल के कर्मचारी मौके पर पहुँच गए. आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मचारियों और अग्निशमन कर्मियों की मदद से शव को खाड़ी से बाहर निकाला गया और कलवा पुलिस को सौंप दिया गया.

शरद पवार-अजित पवार फिर साथ आए नजर

■ अगल-बगल बैठे दिखे चाचा-भतीजे

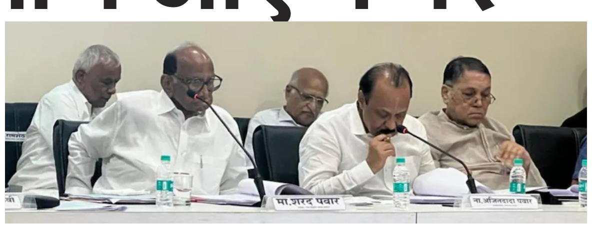

सातारा. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार शनिवार को सातारा में एक ही मंच पर नजर आए. यह इस सप्ताह दूसरी बार है जब चाचा-भतीजे की जोड़ी सार्वजनिक रूप से एक साथ दिखाई दी.

इससे पहले गुरुवार को शरद पवार ने अजित पवार के छोटे बेटे जय पवार की सगाई समारोह में शिरकत की थी, जो पुणे के पास आयोजित हुआ था.

गौरतलब है कि 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) सरकार में शामिल होकर अलग राह पकड़ी थी. तब से दोनों अलग-अलग राजनीतिक खेमों में हैं.

शनिवार को छत्रपति शिवाजी कॉलेज, सातारा में 'रयत शिक्षण संस्था' की प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता शरद पवार ने की. बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. शरद पवार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा एक मासिक पत्रिका 'रयत' की शुरुआत की जाएगी, जिसमें शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, साहित्य, खेल, सामाजिक मुद्दे, कला, संस्कृति और वैश्विक विषयों पर जानकारीपूर्ण लेख प्रकाशित किए जाएंगे.

इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), रोबोटिक्स और 3डी प्रिंटिंग जैसे आधुनिक तकनीकी विषयों पर कोर्स शुरू करने का निर्णय भी लिया गया है. सातारा में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना का भी एलान किया गया. शरद पवार ने कहा, ₹इन दूरदर्शी पहलों को लागू करने के लिए मैं प्रबंध समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं.₹

साइबर ठगों पर मुंबई पुलिस का बड़ा वार

■ लोगों को वापस मिले 241 करोड़ रुपये

मुंबई. मुंबई में साइबर ठगी के खिलाफ जंग अब तेज हो चुकी है और हेल्पलाइन नंबर 1930 इस लड़ाई का सबसे बड़ा हथियार बनकर उभरी है। पिछले तीन सालों में इस हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की संख्या 1 लाख के पार पहुंच गई है, जबकि ठगी से बचाए गए पैसों की रकम 241 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी है।

■ 1930 बना मुंबई पुलिस का डिजिटल हथियार

मुंबई साइबर पुलिस ने 17 मई 2022 से इस हेल्पलाइन को सक्रिय किया था। शुरुआत में सिर्फ 6 लाइनों से काम शुरू हुआ, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 22 हो गई है। यहां दिन-रात दर्जनों पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं ताकि किसी भी पीड़ित की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

■ हर दिन आ रही हैं 1500 शिकायतें

मुंबई साइबर विंग के DCP दत्ता नलावडे ने बताया कि हेल्पलाइन पर हर दिन औसतन 1500 शिकायतें मिल रही हैं। शनिवार तक कुल शिकायतों की संख्या 1,01,069 हो गई थी। अब तक 241 करोड़ रुपये से अधिक की रकम पीड़ितों को वापस दिलाई जा चुकी है।

साइबर ठग आमतौर पर पीड़ितों के पैसों को UPI, वॉलेट, फर्जी खातों या ऑनलाइन खरीदारी के जरिए गायब कर देते हैं। लेकिन अगर पीड़ित समय पर 1930 पर कॉल करता है, तो पुलिस तुरंत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के जरिए बैंकों से संपर्क कर खातों को फ्रीज कर सकती है और रकम को रोक सकती है।

■ 'गोल्डन 15 मिनट' है सबसे अहम

एक अधिकारी के मुताबिक, जैसे मेडिकल साइंस में 'गोल्डन ऑवर' होता है, वैसे ही साइबर ठगी में 'गोल्डन 15 मिनट' सबसे जरूरी होते हैं। जितनी जल्दी पुलिस को जानकारी मिलेगी, उतनी ही जल्दी पैसे को रोका जा सकता है।

पुलिस ने अब तक 8,214 मोबाइल नंबरों को ब्लॉक किया है जो साइबर अपराध में इस्तेमाल किए जा रहे थे। ठग अब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि बैंक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर, और सरकारी कर्मचारी जैसे पढ़े-लिखे लोगों को भी निशाना बना रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि साइबर विंग की तेजी से रिकवरी की दर भी बढ़ रही है। सिर्फ 2025 की शुरुआत से अब तक 51 करोड़ रुपये रिकवर किए जा चुके हैं।

बैंकॉक से जूतों में छिपाकर ला रहा था 6.3 करोड़ का सोना

■ मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

मुंबई. इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आ रहे एक यात्री के जूतों से करीब 6.3 करोड़ मूल्य का सोना बरामद हुआ है। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान इतनी बड़ी मात्रा में सोना बरामद होने के बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया है। इसके साथ ही सोना तस्करी से जुड़े एक संभावित खरीददार को भी गिरफ्तार किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों को इस बात की खुफिया जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे एक यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके जूतों में 6.7 किलोग्राम सोना बरामद हुआ.. अधिकारियों के मुताबिक इस सोने की कीमत करीब 6.3 करोड़ रुपए आंकी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल शख्स से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही इस सोने का वह क्या करने वाला था.. क्या वह पहले भी ऐसी तस्करी कर चुका था इस बारे में जानकारी निकाली जा रही है।

ठाणे जिले में निवेशकों के लिए बढ़ावा देना

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने समस्या के समाधान का दिया आश्वासन

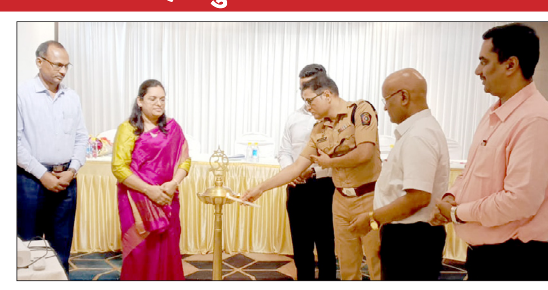

ठाणे. जिले के निवेशकों और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए जिला उद्योग केंद्र ठाणे और अतिरिक्त अंबरनाथ औद्योगिक संघ के सहयोग से एमआईडीसी आनंद नगर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।इस बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने की।बैठक में अंबरनाथ औद्योगिक संघ, मुरबाड औद्योगिक संघ, पुंडाशे शाहपुर औद्योगिक संघ, आसनगांव औद्योगिक संघ और जिले के अन्य प्रमुख उद्योगपतियों ने भाग लिया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने महाराष्ट्र सरकार के 100 दिवसीय कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और कहा कि सतत विकास के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं की आवश्यकता है।साथ ही विभिन्न औद्योगिक संघों और उद्यमियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आसनगांव में शीघ्र ही एक अग्निशमन केन्द्र स्थापित किया जाएगा। उन्होंने ठाणे जिले में निवेशकों और उद्यमियों को किसी भी कठिनाई के मामले में समय पर सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया, जिससे जिले में औद्योगिक विकास के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा।इस अवसर पर ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. स्वामी ने उद्यमियों की समस्याओं का समाधान हंसी-खुशी के माहौल में किया। उन्होंने उद्योगों से औद्योगिक सुरक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया और 'मेरी सुरक्षा, मेरी जिम्मेदारी' के आदर्श वाक्य का पालन करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उद्योग और प्रशासन को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि ठाणे ग्रामीण पुलिस की वेबसाइट पर उद्योग से संबंधित शिकायतों के लिए नए विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सोनाली देवरे ने महाराष्ट्र सरकार के 100 दिवसीय कार्यक्रम की 7 सूत्री कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

इंजीनियरिंग छात्र ने 14वीं मंजिल से कूदकर दे दी जान

नवी मुंबई. माइग्रेन से तंग आकर 20 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र ने 14वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान कुणाल पोपट जाधव के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर गंभीर माइग्रेन के हमलों से जूझ रहा था और पिछले कुछ समय से अवसाद से पीड़ित था। कलंबोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र कोटे ने कहा, 'कुणाल नेरुल में तेरना इंजीनियरिंग कॉलेज में इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष का छात्र था और कलंबोली में हंसध्वनि हाउसिंग सोसाइटी में अपने परिवार के साथ रहता था।

उसके पिता मुंबई के गोवंडी पुलिस स्टेशन में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल हैं।' पुलिस के अनुसार, लड़का लगातार और दर्दनाक माइग्रेन के हमलों से जूझ रहा था, जिसने उसके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला था। गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे, वह बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड के पास गया और छत की चाबी मांगी। सुबह करीब 7:30 बजे, जब गार्ड पानी छोड़ने के लिए छत पर गया, तो लड़का उसके साथ चला गया। गार्ड के ध्यान में आई एक क्षणिक चूक का फ़ायदा उठाते हुए, कथित तौर पर लड़का किनारे पर चढ़ गया और कूद गया। सूचना मिलने पर कलंबोली पुलिस मौके पर पहुंची और आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, लड़का पढ़ाई में होशियार था। वह अपने माता-पिता और छोटे भाई के साथ उनके घर पर रहता था।

एस.एस.टी. कॉलेज के खिलाड़ियों की गौरवपूर्ण छाप!

मुंबई विश्वविद्यालय की खो-खो टीम ने अखिल भारतीय प्रतियोगिता में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

उल्हासनगर. एस.एस.टी. कॉलेज, उल्हासनगर ने एक बार फिर खेल क्षेत्र में अपनी चमक बिखेरी है। कॉलेज के पाँच कुशल खिलाड़ी मुंबई विश्वविद्यालय की खो-खो टीम में शामिल हुए और उन्होंने टीम को अखिल भारतीय स्तर पर बड़ी सफलता दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मंगलोर विश्वविद्यालय में हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता में मुंबई विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों की सर्वश्रेष्ठ टीमें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शामिल थीं। कड़े संघर्ष के बाद मुंबई विश्वविद्यालय की टीम ने फाइनल तक पहुँचते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि में एस.एस.टी. कॉलेज के संदेश सपकाळ, निखिल कदम, मयुरेश मोरे, वैभव मोरे, अभय रत्नाकर इन खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट कौशल, मेहनत और टीम भावना के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हे कोच प्रताप शेलार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इस सफलता पर मुंबई विश्वविद्यालय के क्रीड़ा संचालक डॉ. मनोज रेड्डी, एस.एस.टी. कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पूरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पूरस्वानी, क्रीड़ा संचालक प्रा. राहुल अकुल, प्रा. पुष्कर पवार, सभी प्राध्यापकगण, अन्य कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी है।

एस.एस.टी. कॉलेज ने खेल क्षेत्र में निरंतर सराहनीय कार्य किया है और अब तक अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए हैं। भविष्य में भी यह संस्था इसी प्रकार अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ती रहेगी, ऐसा विश्वास व्यक्त किया जा रहा है।

होर्डिंग के एलईडी स्क्रीन में लगी आग

ठाणे. शहर के घोडबंदर रोड स्थित मानपाड़ा के दोस्ती बिल्डिंग के सामने शनिवार को सुबह होर्डिंग के एलईडी स्क्रीन में आग लग गयी. इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है.

मनपा के आपदा प्रबंधन कक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक सुबह 11 बज कर 9 मिनट पर होर्डिंग के पीछे धूवां निकलने की जानकारी मिली.सूचना मिलने के बाद अग्निशमन दल के जवान मौके पर पहुंच गए.साढ़े ग्यारह बजे आग बुझा दिया गया.

सर्जरी पर ट्रोल करने वालों को मौनी रॉय का जवाब

■ कहा- ट्रोल करने से खुशी मिलती है तो करो

■ माथे का बदला लुक देख उड़ा मजाक

फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मौनी रॉय संजय दत्त के साथ पहुंची थीं। इवेंट की तस्वीरें सामने आने के बाद मौनी को उनके बदले या कहें तो बिगड़े हुए लुक के चलते जमकर ट्रोल किया जा रहा था। ट्रोलर्स लगातार सर्जरी बिगड़ने की बात कहते हुए उन्हें ट्रोल करने लगे। लगातार होती ट्रोलिंग के बीच अब मौनी रॉय ने ट्रोलर्स को जवाब दिया है।

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही बॉम्बे फैशन वीक में ब्लैक लहंगा पहनकर वॉक की थी। वॉक के बाद मौनी रॉय से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर सवाल किए गए। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, कुछ नहीं। मैं देखती ही नहीं। अगर आप अपनी सोशल मीडिया स्क्रीन के पीछे बैठकर ट्रोलिंग कर रहे हो और उससे आपको खुशी मिलती है तो करते रहिए।

मौनी के रिएक्शन के बावजूद लोग उन्हें ट्रोल करने से नहीं रुक रहे। एक यूजर ने वीडियो में लिखा, माथे का बोटोक्स बिगड़ गया, छिपाने के लिए इतनी बड़ी बिंदिया पट्टी। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, आज उन्होंने अपना माथा छिपाने के लिए बड़ा सा मांग टीका पहना है। फिल्म भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज होगी। इसमें मौनी रॉय के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी भी अहम रोल में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को 37 करोड़ की लागत से बनाया गया है।

मरीन ड्राइव के समानांतर 6 लेन वाली सड़क बनाने की योजना

मुंबई. दक्षिण मुंबई में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) मरीन ड्राइव के समानांतर एक नई छह लेन वाली सड़क बनाने की योजना बना रहा है। यह सड़क, जो तटीय सड़क और राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केंद्र (एनसीपीए) के बीच लगभग 3 किमी तक फैली होगी, ऑरेंज गेट मरीन ड्राइव ट्विन टनल परियोजना का हिस्सा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रस्ताव की समीक्षा की गई, जहां यह पता चला कि नई सड़क के लिए मरीन ड्राइव सैरगाह के कुछ हिस्सों और अरब सागर के कुछ हिस्सों को फिर से बनाने की आवश्यकता हो सकती है।

अधिकारियों ने तटीय सड़क पर एक कैंटिलीवर पुल के निर्माण की संभावना पर भी संकेत दिया, उन क्षेत्रों में जहां भूमि सीमित है। एमएमआरडीए इस खंड और एनसीपीए से कफ परेड तक प्रस्तावित 1.77 किलोमीटर लंबे समुद्री पुल के बीच कनेक्शन की तलाश कर रहा है। सह्याद्री गेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में बोलते हुए फडणवीस ने तेजी से कार्यान्वयन का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'यह दक्षिण मुंबई में भीड़भाड़ कम करने और पूर्वी फ्रीवे को अटल सेतु से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री दुर्गा माता मंदिर में भजन कीर्तन सुनकर भक्त हुए भावविभोर

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से हर शनिवार शाम को सुंदरकांड व भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है।मंदिर के प्रांगण में महिला व पुरूष सुंदर कांड व भजन कीर्तन श्रवण करते हैं।भजन गायक श्रवण तिवारी, रवि पाण्डेय,राहुल कोरस देने वाले संजय तिवारी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह,बजरंगी ,मनोज मिश्रा , राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी , श्रवण तिवारी ने पचरा सुनाकर आए हुए सभी भक्तों को अपने मुखारविंद से भाव विभोर कर दिया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा ,ऊषा यादव,सुमित्रा विट्टी वर्मा,उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव, विजय गुप्ता,मंगला तिवारी, अजित पाण्डेय,घनश्याम यादव, सुशील पंडा,आदित्य तिवारी, राहुल, रवि पांडेय , दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी,बजरंगी,रविन्द्र तिवारी तथा मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने कार्यक्रम में आए हुए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099